SYLLABUS FOR B.A.-II

SESSION 2015-16, 2016-17, 2017-18

SANSKRIT SEMESTER-III

OPTION-I: काव्य नाटक और व्याकरण

(Poetry, Drama and Grammar)

Semester-I में संस्कृत के दो विकल्पों में से एक विकल्प ही लेना है।

Time: 3 hours **Maximum Marks: 100**

Total Teaching Period: 75 **Pass Marks: 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैंः–

प्रथम भागः

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया हैः–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत रामायणम् (किष्किन्धाकाण्ड) का 28वां सर्ग (वर्षाऋतु वर्णन) निर्धारित किया गया है। इस अंश से कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो श्लोकों का प्रसंग, अनुवाद और व्याख्या लिखने को कहा जाए। इसके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत भास द्वारा रचित मध्यमव्यायोग निर्धारित है। इनमें से कोई चार श्लोक देकर दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या करने का कहा जाए। इनके लिए पन्द्रह (15) अंक नियत है।

द्वितीय भाग

इस भाग को 'क' एवं 'ख', 'ग' तीन विभागों में विभक्त किया गया है:–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत 1–100 तक के संख्यावाचक शब्द निर्धारित किए गए हैं। इसमें कोई दस संख्यायें देकर किन्हीं पाँच को संस्कृत में लिखने को कहा जाए। इसके अतिरिक्त इन संख्याओं को हिन्दी तथा पंजाबी लिपि में लिखने को भी कहा जा सकता है जैसे (१, २, ३) इसके लिए पाँच अंक निर्धारित हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत व्यंजन सन्धि के कोई दस शब्द देकर किन्हीं पाँच से सन्धि अथवा सन्धिविच्छेद करने को कहा जाए तथा सन्धि का नाम भी पूछा जाए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

(ग) इस विभाग के अन्तर्गत तत्पुरूष समास के विभक्ति अलुक्, नञ् और द्विगु भेद निर्धारित किए गये हैं। इसमें तत्पुरूष समास के कोई दस समस्तपद और विग्रह पद देकर उनमें से किन्हीं पाँच का विग्रह और समास करने को कहा जाए तथा समास का नाम भी पूछा जाए। इसके लिए दस (10) अंक निर्धारित है।

तृतीय भाग

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु वाले प्रश्न पूछे जाएं जो कि पाठ्यक्रम के सामान्य परिचय से सम्बन्धित हो। इसके लिए प्रत्येक के लिए दो अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भागः		**30 अंक**
(क)	रामायणम् (किष्किन्धा काण्ड)	15 अंक
	28वां सर्ग (वर्षाऋतु वर्णनम्)	
(ख)	मध्यमव्यायोग	15 अंक
द्वितीय भागः		**25 अंक**
(क)	संख्यावाचक शब्द (1–100)	5 अंक
(ख)	व्यञ्जन सन्धि	10 अंक
(ग)	तत्पुरूष समास (विभक्ति, अलुक्, नञ्, द्विगु)	10 अंक
तृतीय भागः		**20 अंक**
	वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न	2X10 (20)

नोट– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण (किष्किन्धाकाण्ड) गीता प्रैस गोरखपुर, संवत् 2052
2. मध्यमव्यायोगः भास, (व्या.) गंगा सागर, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी
3. शास्त्री विजयचन्द्र एवं नागपाल सी.आर,, संस्कृत व्याकरण प्रबोध, नीलम पब्लिशर्ज, अड्डा टांडा, जालन्धर 1985
4. द्विवेदी कपिलदेव, रचनानुवाद कौमुदी, वाराणसी विश्व विद्यालय प्रकाशन, 1985
5. हंस चक्रधर नौटियाल, नवीन रनचनानुवाद कौमुदी, संस्कर्ता जगदीश लाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली ।
6. शास्त्री विजय चन्द्र एवं नागपाल सी.आर. संस्कृत व्याकरण प्रबोध, नीलम पब्लिशर्ज, अड्डा टांडा, जालन्धर 1985

SYLLABUS FOR B.A.-II

SESSION 2015-16, 2016-17, 2017-18

SANSKRIT SEMESTER-IV

OPTION-II: उपनिषद्, दर्शन और व्याकरण

(Unishad, Darshana and Grammar)

Time: 3 hours **Maximum Marks: 100**

Total Teaching Period: 75 **Pass Marks: 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं:–

प्रथम भाग:

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है:–

(क) इस इकाई में मुण्डकोपनिषद से प्रथम मुण्डक सम्पूर्ण तथा द्वितीय मुण्डक का प्रथम खण्ड निर्धारित है। इसमें से चार मन्त्र देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। इसके लिए 15 अंक (प्रत्येक मन्त्र के लिए 7½ अंक) नियत हैं।

(ख) इस इकाई में न्यायदर्शन तथ वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय निर्धारित है। उपर्युक्त दर्शनों से सम्बद्ध दो प्रश्न देकर उनमें से किसी एक का उत्तर पूछा जाए। इसके लिए 15 अंक नियत है।

द्वितीय भाग

इस भाग को 'क' एवं 'ख', 'ग' तीन विभागों में विभक्त किया गया हैः—

(क) इस विभाग के अन्तर्गत 1—100 तक के संख्यावाचक शब्द निर्धारित किए गए हैं। इसमें कोई दस संख्यायें देकर किन्हीं पाँच को संस्कृत में लिखने को कहा जाए। इसके अतिरिक्त इन संख्याओं को हिन्दी तथा पंजाबी लिपि में लिखने को भी कहा जा सकता है जैसे (१, २, ३) इसके लिए पाँच अंक निर्धारित हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत व्यंजन सन्धि के कोई दस शब्द देकर किन्हीं पाँच से सन्धि अथवा सन्धिविच्छेद करने को कहा जाए तथा सन्धि का नाम भी पूछा जाए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

(ग) इस विभाग के अन्तर्गत तत्पुरूष समास के विभक्ति अलुक्, नञ् और द्विगु भेद निर्धारित किए गये हैं। इसमें तत्पुरूष समास के कोई दस समस्तपद और विग्रह पद देकर उनमें से किन्हीं पाँच का विग्रह और समास करने को कहा जाए तथा समास का नाम भी पूछा जाए। इसके लिए दस (10) अंक निर्धारित है।

तृतीय भाग

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु वाले प्रश्न पूछे जाएं जो कि पाठ्यक्रम के सामान्य परिचय से सम्बन्धित हो। इसके लिए प्रत्येक के लिए दो अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भागः **30 अंक**

(क) मुण्डकोपनिषद् (प्रथममुण्डक सम्पूर्ण तथा
द्वितीय मुण्डक का प्रथम खण्ड) 15 अंक

(ख) 'भारतीय दर्शन' से न्यायदर्शन तथा
वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय 15 अंक

द्वितीय भागः **25 अंक**

(क) संख्यावाचक शब्द (1–100) 5 अंक

(ख) व्यञ्जन सन्धि 10 अंक

(ग) तत्पुरूष समास (विभक्ति, अलुक्, नञ्, द्विगु) 10 अंक

तृतीय भागः **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2X10 (20)

नोट– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. मुण्डोपनिषद्, गीता प्रैस गोरखपुर,
2. मुण्डोकपनिषद (एकादशोपनिषद्) व्याख्या सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार 4/2 आसक अली रोड़, नई दिल्ली, 1979
3. Mundakopanishad, Commentary by Swami Chinmyanda, Central Chinmaya Mission Trust, Sandeepany Sandhanalaya Saki Vihar Road, Mumbai-400072
4. मिश्र उमेश, भारतीय दर्शन, हिन्दी समिति,सूचना विभाग उत्तर प्रदेश,लखनऊ, 1970
5. सिन्हा हरेन्द्रप्रसादः भारतीय दर्शन की रूपरेखा,दिल्ली मोतीलाल बनारसी दास 1963
6. उपाध्याय, बलदेव, भारतीय दर्शन, हिन्दी समिति सूचना विभाग उत्तर प्रदेश, लखनऊ
7. द्विवेदी कपिलदेव, रचनानुवाद कौमुदी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन 1985
8. हंस चक्रधर नौटियालः नवीन रचनानुवाद कौमुदी संस्कर्त्ता जगदीश लाल शास्त्री, मोती लाल बनारसी दास दिल्ली।

9. शास्त्रीविजय चन्द्र एवं नागपाल सी.आर. संस्कृत व्याकरण प्रबोध, नीलम पब्लिशर्ज, अड्डा टांडा, जालन्धर 1985

SYLLABUS FOR B.A.-II

SESSION 2015-16, 2016-17, 2017-18

SANSKRIT SEMESTER-IV

OPTION-I: गद्य, छन्द, व्याकरण और अनुवाद

(Prose, Prosody, Grammar and Translation)

Semester-I में संस्कृत के दो विकल्पों में से एक विकल्प ही लेना है।

Time: 3 hours **Maximum Marks: 100**

Total Teaching Period: 75 **Pass Marks: 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं:–

प्रथम भाग:

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है:–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत 'अम्बिकादत्त व्यास' द्वारा रचित 'शिवराजविजय' का प्रथम निश्वास निर्धारित किया गया है। इस अंश से कोई चार गद्यांश देकर उनमें से

किन्हीं दो की प्रसंग, अनुवाद और व्याख्या लिखने को कहा जाए। इसके लिए 15 (पन्द्रह) अंक नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम में निर्धारित कोई छः छन्द देकर उनमें से कोई तीन का लक्षण, उदाहरण एवं समन्वय लिखने को कहा जाए। इनके लिए पन्द्रह (15) अंक नियत है।

द्वितीय भाग

इस भाग को 'क' एवं 'ख', 'ग', 'घ', 'ङ' पाँच विभागों में विभक्त किया गया हैः–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित शब्दों में से कोई दो शब्द देकर उनमें से किसी एक के सभी विभक्तियों के सिद्धरूप पूछे जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक निर्धारित हैं।

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित धातु रूपों में से कोई दो धातु देकर उनमें से किसी एक का निर्धारित लकार में सिद्धरूप लिखने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक निर्धारित हैं।

(ग) पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट धातुओं में से किन्हीं दस के साथ निर्धारित कृदन्त प्रत्यय देकर उनमें से किन्हीं पाँच का सिद्ध रूप पूछा जाए जैसे–श्रु +तुमुन = श्रोतुम्। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(घ) इस विभाग के अन्तर्गत अनुवाद निर्धारित है। इसमें हिन्दी के दस सरल वाक्य देकर उनमें से किन्हीं पाँच का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(ङ) इस विभाग के अन्तर्गत खाद्यान्न पदार्थों के नाम निर्धारित हैं। इसमें दस खाद्य पदार्थों के नाम देकर किन्हीं पाँच शब्दों का संस्कृत अथवा पंजाबी अथवा अंग्रजी में लिखने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

तृतीय भाग

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भागः **30 अंक**

(क) शिवराजविजय (प्रथम निश्वास) अम्बिकादत्त व्यास 15 अंक

(ख) छन्द (लक्षण, उदाहरण तथा समन्वय) 15 अंक

विद्युन्माला, द्रुतविलम्बित, वियोगिनी, पंचचामर, हरिणी,
भुजंगप्रयात, वैतालीय, मन्दाक्रान्ता, पुष्पिताग्रा, रथोद्धता
स्वागता, स्रग्धरा।

द्वितीय भागः **25 अंक**

(क) शब्द रूप– 5 अंक

चन्द्रमस्, पुंस, विद्वस्, गरीयस्, श्रेयस, दिक्, पयस्,
मनस्, पितृ, वाच्।

(ख) धातु रूप 5 अंक

अदादिगण – अस्, पा
तनादिगण – तन् कृ
तुदादिगण – तुद्, स्पृश्, इष्, प्रच्छ, मुच्
क्रयादिगण – क्री, बन्ध्

(ग) कृदन्त 5 अंक

क्त, क्तवतु, तव्यत्, अनीचर्, शतृ, शनच्, क्त्वा, तुमुन्,
निम्नलिखित धातुओं के साथ–
वद्, हस्, गम्, पा, पच्, पत्, पठ्, स्म्, तन्, कृ,
क्री, बन्ध, प्रच्छ, स्पृश, इष्

(घ) अनुवाद 5 अंक

(ङ) खाद्य पदार्थों के नाम (संस्कृत, पंजाबी तथा अंग्रजी में) 5 अंक

तृतीय भागः **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2X10 (20)

नोट– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. व्यास अम्बिकादत्त, शिवराज विजय (प्रथम निश्वास)
   रामजी पाण्डेय विरचित वैजयन्ती संस्कृत टीका तथा केदारनाथ मिश्र प्रगीत राष्ट्रभाषानुवाद सहित, व्यास पुस्तकालय डी 16/14 (सामेश्वर गली) मान मन्दिर वाराणसी, 1987
2. व्यास अम्बिकादत्त, शिवराज विजय (प्रथम निश्वास)
   सम्पादक देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ, 1994
3. भटट् केदार, वृत्तरत्नाकर, संस्कृत व्याख्या तथा मणिमयी हिन्दी व्याख्या सहित, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 1986
4. शास्त्री विजयचन्द्र एवं नागपाल सी.आर,, संस्कृत व्याकरण प्रबोध, नीलम पब्लिशर्ज, अड्डा टांडा, जालन्धर 1985
5. द्विवेदी कपिलदेव, रचनानुवाद कौमुदी, वाराणसी विश्व विद्यालय प्रकाशन, 1985
6. हंस चक्रधर नौटियाल, नवीन रनचनानुवाद कौमुदी, संस्कर्ता जगदीश लाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली ।

SYLLABUS FOR B.A.-II

SESSION 2015-16, 2016-17, 2017-18

SANSKRIT SEMESTER-IV

OPTION-II: उपनिषद् दर्शन, व्याकरण और अनुवाद

(Upnishad, Darshana, Grammar and Translation)

Time: 3 hours **Maximum Marks: 100**

Total Teaching Period: 75 **Pass Marks: 35%**

INSTRUCTIONS FOR THE PAPER SETTER

1. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत अथवा अंग्रजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्नपत्र हिन्दी में होगा।
2. 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे। आन्तरिक मूल्यांकन में 5 अंक उपस्थिति (Attendance) के 10 अंक नियत कार्य (Assignment) के, 10 अंक मध्य सत्र परीक्षण/आन्तरिक परीक्षा (Mid Semester Test/Internal Examinations) के होंगे।
3. पाठ्यक्रम तीन भागों में विभाजित है। प्रथम भाग के लिए 30 अंक, द्वितीय भाग के लिए 25 अंक एवं तृतीय भाग के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। प्रथम एवं द्वितीय भाग में दुगना विकल्प रहेगा। तृतीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। तृतीय भाग में दो–दो अंकों वाले दस अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (Very Short answer type questions) पूछे जायेंगे। इन सबका उत्तर देना अनिवार्य होगा।
4. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक इस प्रकार हैं:–

प्रथम भाग:

इस भाग को 'क' एवं 'ख' दो विभागों में विभक्त किया गया है:–

(क) इस विभाग के अन्तर्गत मुण्डोपनिषद् से द्वितीय मुण्डक का द्वितीय खण्ड तथा तृतीय मुण्डक निर्धारित है।। इसमे से चार मन्त्र देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। इसके लिए 15 (पन्द्रह) (प्रत्येक के लिए 7½ अंक) नियत हैं।

(ख) इस विभाग के अन्तर्गत सांख्यदर्शन तथा योगदर्शन का सामान्य परिचय निर्धारित है। उपर्युक्त दर्शनों में से सम्बद्ध दो प्रश्न देकर उनमें से किसी एक का उत्तर पूछा जाए। इसके लिए पन्द्रह (15) अंक नियत है।

द्वितीय भाग

इस भाग को 'क' एवं 'ख', 'ग', 'घ', 'ङ' पाँच विभागों में विभक्त किया गया हैः–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित शब्दों में से कोई दो शब्द देकर उनमें से किसी एक के सभी विभक्तियों के सिद्धरूप पूछे जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक निर्धारित हैं।

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित धातु रूपों में से कोई दो धातु देकर उनमें से किसी एक का निर्धारित लकार में सिद्धरूप लिखने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक निर्धारित हैं।

(ग) पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट धातुओं में से किन्हीं दस के साथ निर्धारित कृदन्त प्रत्यय देकर उनमें से किन्हीं पाँच का सिद्ध रूप पूछा जाए जैसे–श्रु +तुमुन = श्रोतुम्। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(घ) इस विभाग के अन्तर्गत अनुवाद निर्धारित है। इसमें हिन्दी के दस सरल वाक्य देकर उनमें से किन्हीं पाँच का संस्कृत में अनुवाद करने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

(ङ) इस विभाग के अन्तर्गत खाद्यान्न पदार्थों के नाम निर्धारित हैं। इसमें दस खाद्य पदार्थों के नाम देकर किन्हीं पाँच शब्दों का संस्कृत अथवा पंजाबी अथवा अंग्रजी में लिखने को कहा जाए। इसके लिए 5 (पाँच) अंक नियत हैं।

तृतीय भाग

इस भाग के अन्तर्गत उपर्युक्त भागों में निर्धारित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित कोई दस अतिलघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक (कुल बीस अंक) नियत हैं।

SYLLABUS AND COURSES OF READINGS

प्रथम भागः **30 अंक**

(क) मुण्डकोपनिषद् (द्वितीय मुण्डक का द्वितीय खण्ड
तथा तृतीय मुण्डक सम्पूर्ण) 15 अंक

(ख) भारतीय दर्शन से सांख्य तथायोग दर्शन का सामान्य परिचय 15 अंक

द्वितीय भागः **25 अंक**

(क) शब्द रूप– 5 अंक

चन्द्रमस्, पुंस्, विद्वस्, गरीयस्, श्रेयस, दिक्, पयस्,
मनस्, पितृ, वाच्।

(ख) धातु रूप 5 अंक

अदादिगण – अस्, पा

तनादिगण – तन् कृ

तुदादिगण – तुद्, स्पृश्, इष्, प्रच्छ, मुच्

क्रयादिगण – क्री, बन्ध्

(ग) कृदन्त 5 अंक

क्त, क्तवतु, तव्यत्, अनीचर्, शतृ, शनच्, क्त्वा, तुमुन,
निम्नलिखित धातुओं के साथ–
वद्, हस्, गम्, पा, पच्, पत्, पठ्, स्म्, तन्, कृ,
क्री, बन्ध, प्रच्छ, स्पृश, इष्

(घ) अनुवाद 5 अंक

(ङ) खाद्य पदार्थों के नाम (संस्कृत, पंजाबी तथा अंग्रजी में) 5 अंक

तृतीय भागः **20 अंक**

वस्तुनिष्ठ अति लघु प्रश्न 2X10 (20)

नोट– 25 अंक आन्तरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) के होंगे।

PRESCRIBED TEXT BOOKS

1. मुण्डोपनिषद्, गीता प्रैस गोरखपुर,
2. मुण्डोकपनिषद (एकादशोपनिषद्) व्याख्या सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार 4/2 आसक अली रोड़, नई दिल्ली, 1979
3. Mundakopanishad, Commentary by Swami Chinmyanda, Central Chinmaya Mission Trust, Sandeepany Sandhanalaya Saki Vihar Road, Mumbai-400072
4. मिश्र उमेश, भारतीय दर्शन, हिन्दी समिति,सूचना विभाग उत्तर प्रदेश,लखनऊ, 1970
5. सिन्हा हरेन्द्रप्रसादः भारतीय दर्शन की रूपरेखा,दिल्ली मोतीलाल बनारसी दास 1963
6. उपाध्याय, बलदेव, भारतीय दर्शन, हिन्दी समिति सूचना विभाग लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
7. द्विवेदी कपिलदेव, रचनानुवाद कौमुदी, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन 1985
8. हंस चक्रधर नौटियालः नवीन रचनानुवाद कौमुदी संस्कर्त्ता जगदीश लाल शास्त्री, मोती लाल बनारसी दास दिल्ली।
9. शास्त्रीविजय चन्द्र एवं नागपाल सी.आर., संस्कृत व्याकरण प्रबोध, नीलम पब्लिशर्ज, अड्डा टांडा, जालन्धर 1985